वर्ष 3 अंक 23
प्रष्ठ : 4
गौतमबुद्धनगर
20 से 26 मई 2019
मूल्य : तीन रूपये
UPHIN/2016/70868

नोएडा व्यूज

साप्ताहिक...
नोएडा । ग्रेटर नोएडा । दादरी

नारी का शोषण नारी के द्वारा

www.noidaviews.com www.facebook.com/noidaviews YouTube /c/noidaviews

खुश खबरी खुश खबरी खुश खबरी
JSB GROUP
TAXI JSB

भारत के
TAXI DRIVER
भाईयों के लिए सुनहरा मौका
TAXI JSB
में टैक्सी कार लगायें और अधिक मुनाफा कमायें।
सम्पर्क करें : +91 9015 144 144

Naresh Kumar 8860925373 8287474727
SAI REFRIGERATION
SPARE PARTS, REPAIRING & INSTALLATION

A.C also available on rent
A/C-SPLIT & WINDOW, FRIDGE, DISPENSER WATER COOLER, WASHING MACHINE, MICRO WAVE, GEYSER, R.O. SYSTEM GAS R-22, R-134, HC GAS AVAILABLE HERE
Contact for buy & sell of old products
SHOP NO. 2, PAL MARKET, ACHHAR, GR. NOIDA

PARADISE ELECTRONICS
Prameet Saini Eng.(R.A.C) M.9818753118

Sales & Service
Web: www.paradiseelectronics28.com
BLUE STAR LG VOLTAS HITACHI KENT Mineral RO Water Purifiers MITSUBISHI ELECTRIC DAIKIN
1.H.O.SB-23,24(Basement),AVJ Heights, Sector Zeta-1, Greater noida
2.B.O RWA, Electrical Vivek Vihar-82, Noida
Email: paradiseelctronics28@gmail.com

High Quality, Affordable
PRINTING
500
हम बनायेंगे, आपकी पसंद
Round Corner Visiting Card
Just 649/-
Visiting Card | Flex Banner | Hoarding | Vinyle
Glos Sign Board | LED Board | Standy | Poster
Imagine 9718 802 805
पता : शर्मा मार्किट, न्यू बालाजी हॉस्पिटल के पास, हल्दौनी मोड़, ग्रेटर नोएडा, गौ. बु. नगर

मात्र 3499/-* प्रति वर्ग गज
Chandrodaya City
Jai श्री Bhoomi Developers Group

प्रधानमंत्री आवासीय योजना से प्रेरित
जन कल्याण आवासीय योजना
गोवर्धन बझेरा
भारत की अध्यात्मिक राजधानी
मथुरा-वृन्दावन में
Mahesh Kumar (Chairman)
ड्रा द्वारा 60 वर्ग गज का प्लॉट व अल्टो 800 कार पाने का सुनैहरा मौका
मात्र रु. 3499/-*
30 माह की आसान मासिक किस्तों में
Jaiश्रीBhoomi Group Ltd.®
Head Office: 2nd Floor, MSX Tower-2, Alpha-1, Commercial Belt, Gr. Noida
FOR ENQUIRY : 0120 4200047, 9711085209
www.jaishreebhoomidevelopers.in | Email: info@jaishreebhoomidevelopers.com
REQUIRED Male/ Female
•Marketing Executive •Accountant
Salary Packages 8000 to 50,000/-
Send your resume at : info@jaishreebhoomidevelopers.in

संपादकीय

चुनाव में उपद्रव

कपिल कुमार

पूरे देश में मतदान के छह चरणों में चुनाव प्रचार का कमोबेश शांतिपूर्ण रहना जितना प्रशंसनीय है, उतना ही निंदनीय है सातवें चरण के प्रचार में कोलकाता में हुई झड़प और हिंसा। दोषी कौन है, इस पर विमर्श और राजनीति भी होती रहेगी, लेकिन गंभीर चिंता की बात यह है कि एक पार्टी अध्यक्ष के रोड शो को उपद्रव व पथराव के कारण बीच में रोकना पड़ा। शायद इस चुनाव में यह पहला रोड शो है, जिसे हिंसा की वजह से रोकना पड़ा है। केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष अमित शाह का यह कहना तो बेहद चिंताजनक है कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान नहीं होते, तो वह जिंदा नहीं लौटते। संभव है कि इस आरोप के पीछे भाजपा की राजनीति हो, लेकिन ममता बनर्जी द्वारा अमित शाह को सीधे गुंडा कह देने की राजनीति का बचाव कैसे किया जाए?

कोलकाता की सड़कों पर मात्र वोट के लिए धार्मिक प्रतीकों और धार्मिक जयकारों का इस्तेमाल नैतिक रूप से कितना सही है और क्या उससे कोई भड़क सकता है, इस पर बहस हो सकती है। लेकिन इसी आधार पर उस रोड शो पर पथराव को कैसे जायज ठहराया जाए? आप अपने अच्छे व्यवहार और विचार से वोट जुटाने के प्रयास करें, आप अपने घोषणापत्र का इस्तेमाल करके वोट जुटाएं। ज्यादातर राज्यों में राजनीतिक पार्टियों और प्रत्याशियों ने यही किया है। अगर बंगाल कुछ अलग ही ढंग में दिख रहा है, तो उसे कानून-व्यवस्था के तहत रखना राज्य सरकार और चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। राज्य में हिंसक तत्व यदि सक्रिय हो गए हैं, तो उन्हें पकड़ना और हिंसा रोकना राज्य सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

अपनी भद्रता के लिए मशहूर पश्चिम बंगाल में कुछ नेताओं-कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में उचित व्यवहार प्रदर्शित नहीं किया है। वैसे भी काडर आधारित राजनीतिक हिंसा की परंपरा पश्चिम बंगाल में रही है, भावनाओं या आवेश की राजनीति वहां होती रही है। पश्चिम बंगाल में करीब 34 वर्ष के वाम शासन के बाद उम्मीद की गई थी कि ममता बनर्जी राजनीतिक संस्कृति को बदल देंगी, लेकिन शायद ऐसा नहीं हो पाया है। यह राजनीतिक समाजशास्त्रियों के लिए विचार का विषय है कि पश्चिम बंगाल में क्या भावनाएं, आवेश और काडर, तीनों ही एक सत्ताधारी से दूसरे सत्ताधारी तक पहुंच गए हैं? ऐसे में, विडंबना देखिए, देश के एक आदर्श शालीन समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को भी वोट की राजनीति में घसीट लिया गया है। भाजपा और तृणमूल समर्थकों के बीच संघर्ष के दौरान विद्यासागर की प्रतिमा टूटने की घटना हुई है। लेकिन यह राजनीति का शर्मनाक और लापरवाही भरा पहलू है कि उपद्रवी कार्यकर्ता बचकर निकल जाएंगे और नेता वोट लेकर विद्यासागर को भूल जाएंगे?

समय आ गया है, जब देश में ऐसी काडर आधारित राजनीतिक हिंसा, बंद, हड़ताल, रैली, रोड शो, सभा इत्यादि की स्पष्ट जिम्मेदारी तय की जाए। राजनीतिक हिंसा या चुनावी हिंसा को रोकने के लिए स्पष्ट नियम-कायदे बनें। जिस पार्टी का काडर हिंसा या तोड़फोड़ को अंजाम दे, उस पार्टी पर दंडात्मक कार्रवाई हो। फिर भी अगर कोई पार्टी न सुधरे, तो उसकी मान्यता रद्द हो। देश को सभ्य बनाए रखना है, तो असभ्यों को पालने वाली पार्टियों की कतई आवश्यकता नहीं है।

बारूद के ढेर पर ग्रेटर नोएडा

(कपिल कुमार, नोएडा व्यूज)

अभी हाल ही में नारकोटिक्स विभाग के द्वारा किये गये नशे के कारोबार के भंडाफोड़ के बाद पूरे ग्रेटर नोएडा में दहशत का माहौल है।हर कोई इतने बड़े स्तर (1800 किलो) पर मिले मादक पदार्थो को लेकर अपनी चिंता जता रहा है और चारों ओर इसी पर बात हो रही है।हर ओर भय का माहौल व्याप्त है ।सभी लोग इसके लिए सीधे तौर पर पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार मान रहे हैं क्योंकि शहर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस के ही हाथों में होती है और उनकी संलिप्तता के बिना इस प्रकार का धंधा चल ही नहीं सकता।

"जिला प्रशासन और पुलिस की मिलीभगत के कारण यह धंधा फल-फूल रहा है। पिछले 5-6 साल से नॉलेज पार्क नशेडियों का अड्डा बन चुका है ,जहाँ नशे के व्यापारी नाइजिरियन विभिन्न संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को ड्रग्स की सप्लाई करते हैं। पुलिस और प्रशासन का इन लोगों के साथ मिला होना बेहद निंदनीय बात है ।सभी अफ्रीकन मूल के निवासियों का वास्तविक रूप से सत्यापन होना चाहिए और उत्तर प्रदेश सरकार को इस बारे में सख्त कदम उठाने चाहिए अन्यथा ग्रेटर नोएडा भी पँजाब की तरह नशे के जाल में फँस कर बर्बाद हो जायेगं."

(प्रवीण भारतीय)
(करप्शन फ्री इंडिया संगठन)

"ग्रेटर नोएडा में विदेशी मूल के नागरिकों और पुलिस के गठबन्धन से नशा और जिस्मफरोशी का धंधा पिछले काफी समय से चल रहा है इसलिए पुलिस इन्हें कभी गिरफ्तार नही करती। यह तो नारकोटिक्स डिपार्टमेंट ने एयरपोर्ट पर एक विदेशी मूल की महिला को ड्रग्स के साथ पकड़ लिया था । जिसके बाद उसकी निशानदेही पर उन्होंने ग्रेटर नोएडा में छापेमारी की और इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स का जखीरा पकड़ा गया। नॉलेज पार्क ड्रग्स बेचने का इनका मुख्य अड्डा है ,जहां पर ये लोग देश की अलग-अलग जगहों से यहाँ पढने आए हुए छात्रों को नशे की सप्लाई करते हैं। यदि पुलिस प्रशासन ईमानदारी से कार्यवाही करें तो इससे भी बड़ी मात्रा मे ड्रग्स उन्हें गांव तुगलपुर में मिल सकती है जोकि ड्रग्स जमा करने का इनका मुख्य अड्डा है।हमने कई बार इस बारे में पुलिस को शिकायत की है लेकिन आज तक पुलिस द्वारा कोई भी कार्यवाही इस बारे में नहीं की गयी है.

"(राजकुमार भाटी)
(प्रवक्ता समाजवादी पार्टी)

"मैने ग्रेटर नोएडा की चौड़ी-२, साफ- स्वच्छ सड़कों और चारों तरफ फैली हरियाली को देख कर अपनी सेवानिवृत्ति के बाद अपने जीवन भर की जमा पूंजी से ग्रेटर नोएडा के सेक्टर सिग्मा-4,स्थित स्टेलर सिग्मा अपार्टमेन्ट में मकान खरीदा था और सोचा था कि अब परिवार के साथ यहां सुकून से रहूंगा द्य लेकिन ड्रग्स के इतने बड़े जखीरे के बारे में सुनकर मै हैरान हूं कि नशे के ये सौदागर इतने सारे ड्रग्स से क्या इस पूरे के पूरे शहर को तबाहो बर्बाद करना चाहते थे जो इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ इकट्ठे कर रखे थे। जहाँ एक ओर यदि कोई वाहन चालक ट्रेफिक सिग्नल का गलती से भी उल्लंघन कर दे तो पुलिस उसके साथ ऐसा व्यवहार करती है जैसे कि मानो उसने दुनिया का सबसे बडा अक्षम्य अपराध कर दिया हो और उसे नियम कानून के नाम पर प्रताडित करते है, वहीं दूसरी ओर पुलिस के एक बडे अधिकारी के घर में ही नशे का इतना कारोबार चलता रहा और स्थानीय पुलिस को इसकी भनक भी नही लगी। इससे पुलिस की कार्यशैली पर संदेह होता है । इसके अलावा हमारे सेक्टर सिग्मा-4 में भी काफी तादात में अफ्रीकी मूल के नागरिक रहते हैं।हम लोग सुबह शाम जब बाहर टहलने के लिए जाते हैं तो कई बार इनको संदिग्ध गतिविधियाँ करते हुए देखते हैं। हमारे सेक्टर मे कभी भी पुलिस की गश्त नही होती है,जिस कारण ये अफ्रीकी मूल के नागरिक खुलेआम सेक्टर और हमारी सोसाइटी में अपनी मनमर्जी करते हैं।मेरा एक बेटा है जो अब जवान हो रहा है और ग्रेटर नोएडा के बिगडते माहौल के कारण अब हमें उसके भविष्य की चिंता सता रही है।

("डॉ. नरेन्द्र सिंह डागर)
(पूर्व कृषि वैज्ञानिक, चौ.चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,हिसार)

"यह कार्य कुछ भ्रष्ट नेता ,पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मिली भगत के बिना संभव हो ही नहीं सकता .विडंबना देखिए कि हम सरकार को टैक्स के रूप में मोटा पैसा देते हैं ,जिस पैसे से पुलिस और अन्य सरकारी महकमों के लोगों को तनख्वाह दी जाती है ताकि वे हमारी सुरक्षा कर सकें लेकिन उसके बावजूद ये लोग हमारी सुरक्षा के स्थान पर हमारे बच्चों के भविष्य को बर्बाद करने वाले मौत के सौदागरों का सहयोग कर रहे हैं .हम कई बार एसएसपी से मिलने के लिए गए लेकिनउनके कार्यालय में इतनी भीड़ होती है कि उनसे मुलाकात संभव नहीं हो पाती.थाने में लोगों की समस्याओं को नहीं सुना जा रहा है ,जिस कारण आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए एसएसपी के पास जाना पड़ता है जिससे वहां लोगों का तांता लग रहता है।

(रुपा गुप्ता)
(महिला उत्थान शक्ति उत्थान मंडल)

"मै स्टेलर सिग्मा अपार्टमेन्ट, सिग्मा-4 में रहता हूँ।यहाँ कई लोगों ने अपने फ्लैट अफ्रीकी मूल के नागरिक को किराये पर दिये हुए हैं। जानकारी मिली है कि इनका या तो पुलिस वैरिफिकेशन है ही नही और यदि किसी का है भी तो वो लगता है कि खानापूर्ति मात्र है जो पुलिस द्वारा पैसे लेकर बना दिया जाता है। इसमें प्रश्वपर्टी डीलर भी इनके साथ मिले हुए हैं,जो मोटी रकम लेकर इन्हे यहाँ फ्लैट दिलाने में मदद करते है। ये लोग रात में 1:00 बजे के बाद सोसाइटी में गाड़ियां भर भर कर आना शुरू हो जाते हैं ,जिनमें लड़कियां और अन्य लोग भी होते हैं ।उसके बाद ये लोग रात भर यहां हुड़दंग मचाते हैं, शोर मचाते हैं,तेज आवाज मे म्यूजिक बजाकर पार्टी करते है, कई बार तो आपस मे मार पिटाई भी करते हैं। इनकी इन हरकतो के कारण सोसाइटी में हमारा रहना दूभर हो गया है । पुलिस प्रशासन ने यदि जल्दी कोई कार्यवाही नहीं की तो कोई भी अप्रिय घटना हमारी सोसाइटी में हो सकती है।"

(अनुज कुमार भार्गव)
(पूर्व मौसम वैज्ञानिक ,भारत सरकार)

अन्तर ढूढ़ो

DISTRICT ADMINISTRATION OFFICER	
DM	2552552
City Magistrade	2441544
District Hospital	2501872
SDM-Dadri	9910440552, 9971697398
SDM-Sadar	9958000510
SP City	0120-2444546
SSP	2549330, 2444546

AUTHORITY (GR. NOIDA)	
Chairman	2326131, 2326132
CEO	2326130
ACEO	2326141
DECO (C)	2326716
OSD	2326743
GD (Project)	2326743

FIRE SERVICE	
General	101
Fire Station Gr. Noida	0120-2569109

GAS AGENCIES	
Kasna Indane Gas Service	2322228, 322229
Shiv Sai Gas Agencies	4261757
Bharat Gas Agencies	9899988788

CHEMIST	
New Universal Medicare	0120-6400200

RESTAURANT	
Saffron	9540267171 9540277171

PRINTING PRESS	
Imagine Press	9718802805
Imagine Printers	9899290699

मौत का पुल !

पी 3 गोल चक्कर के पास बने पुल से एक केंटर निचे नाले में गिर गया । इसका कारण नाले पर बना संकीर्ण पुल है जोकि काफी पुराना है । पुल की चौड़ाई कम होने के कारण यहां कोई न कोई वाहन आये दिन दुर्घटना ग्रस्त हो जाता है । इस बारे में कई बार सेक्टर पी 3 के निवासिओं ने शिकायत की परन्तु सम्बंधित विभाग ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की जिस कारण आज एक और वाहन दुर्घटना ग्रस्त हो गया । वाहन में सवार घायल लोगो को राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया । सामाजिक कार्यकर्ता हरेंद्र ने बताया कि इस पुल के बारे में हमने जिला अधिकारिओ को पत्र लिखा है , जिसमे उसकी खामियाँ जैसे कि ये पुल बहुत ही सकरा है, इस पुल पर पैदल यात्रियों के लिए कोई भी पथ नहीं है, पुल से ही सटी सर्विस लेन जोकि ऐनआरआई सोसाइटी की ओर जाती है जिसपर कोई दिशा सूचक न होने के कारण वाहन चालक उल्टी दिशा में वाहन चलाते है, पुल की रेलिंग बहुत ही कमजोर व नीची है, इस पुल पर गाड़ी धीमी चलाने, उल्टी दिशा में न चलने, पैदलध्साइकिल सवार लोगो के लिए कोई भी सलाह-पट्टियां नहीं लगी हुई हैं इत्यादि के बारे में बताते हुए उन्हें जल्द ठीक करने की मांग की है । संभवतः ये पुल ग्रेटर नोएडा की स्थापना के समय का बना लगता है । उस समय इस सड़क पर इतना यातायात नहीं होगा । अब ये सड़क दिल्ली और नोएडा से जोड़ने वाली व्यस्ततम सड़कों में से एक है । ग्रेटर नोएडा के पूर्वोत्तर के सभी सेक्टर, इसी पुल के माध्यम से, एक्सप्रेस वे होते हुए, सीधे दिल्ली, नोएडा और आगरा से जुड़े हुए हैं । जिससे यहाँ से काफी ज्यादा वाहन गुजरते है और दुर्घटना ग्रस्त हो जाते है ।

पोस्टर लगाकर शहर को गन्दा करते विज्ञापनदाता

विज्ञापनदाता शहर में जहाँ जगह देखते हैं वहाँ अपनी कम्पनी के विज्ञापन वाले पोस्टर चिपका देते है ।इस कारण हर तरफ शहर की शक्लो सूरत भद्दी हो रही है। एक तरफ देश के प्रधानमंत्री लोगों से शहर को साफ और स्वच्छ बनाने की अपील कर रहें हैं , वहीं चंद लोग अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए उनकी इस अच्छी मुहिम की धज्जियाँ उडा रहे हैं।

शहर की एक्टिव सिटिजन टीम के सदस्य आलोक सिंह ने बताया कि हमारी टीम लगातार इन पोस्टरों को हटाने की मुहिम चलाती रहती है और लोगो को दिवारों को गन्द न करने के लिए जागरुक करती रहती है, परन्तु यह देखकर बहुत पीडा होती है कि पोस्टर लगाने वालों पर इसका कोई असर नही होता।

झूठ बोलकर बेचीं जा रही जगत फार्म की दुकाने

जगत फार्म पर अधिसूचित शहर में कमर्सिअल कॉम्प्लेक्स का बिना अधिकार बनाने वालो के खिलाफ ग्रेटर नॉएडा प्रधिकरण में मामला दर्ज कराया गया है। अख्तर अब्बास जैदी जो की परधिकरण के प्रबंधक है उन्होंने कासना कोतवाली में मामला दर्ज करते हुए तीन लोगो का नाम लिखवाया। इस मामले की वजह से जगत फार्म पर अवैध तरीके से दुकानों का निर्माण करने वालो पर शिकंजा कसता जा रहा है। इसी प्रकार ग्रेटर नॉएडा में स्थित अल्फा में रहने वाली निवासी राजवती ने मुख्यमंत्री के ऑनलाइन पोटल पर शिकायत दर्ज करते हुए कहा की मैंने जगत फार्म पर एक दूकान खरीदी थी वो दूकान व्यवसायिक भूखंड पर बनाई गयी थी। लेकिन उन्हें बाद में पता चला था की वो जमीन आबादी की जमीन है। राजवती ने दरबारा, परमिंदर, मंजीत, जयदेव आदि पर आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगो ने मिलकर मेरे साथ धोखाधड़ी की। राजवती की शिकायत सुनकर औधोगिक विकास प्राधिकरण ने आदेश देते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को कहा गया । शासन के आदेश देने के बाद ब्रस्पतिवार को कोतवाली ने इन लोगो के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। आपको बता दे की इन लोगो पर आरोप है की यह सब व्यक्ति लोगो से झूठ बोलकर आबादी की जमीं को कमर्सिअल जमीं बताकर अलग अलग लोगो को अपने फायदे के लिए बेच रहे है ।

वैधानिक सूचना : सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तो और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संमूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तो को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो नोएडा व्यूज़ के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नही होगी

नोएडा व्यूज़ समाचार पत्र
हमारे अखबार में अपने विचार व विज्ञापन
देने के लिए सम्पर्क करें।
Call : 9810402764

स्वामी कपिल कुमार, मुद्रक कपिल कुमार, प्रकाशक कपिल कुमार ने एन 30, ऑफसेट रघुनाथपुर
सैक्टर-22 से छपवाकर, गाँव व पोस्ट - खेड़ी, गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित किया है।
संपादक कपिल कुमार (सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गौतम बुद्ध नगर)

नारी का शोषण नारी के द्वारा

टीकम सिंह, मुख्य संपादक, (नोएडा व्यूज)

"सर्वे भवन्तु सुखिन:" की कामना करने वाली संस्कृति और उच्च चारित्रिक गुणों वाले पूर्वजों के वंशज भारतीय पुरूषों को न जाने ये क्या हो गया है कि उन्हें नारी का शोषण करने में उन्हेंरत्ती भर भी शर्म नहीं आती बल्कि ऐसा करके उन्हें आनंद की अनुभूति होती है. भारतीय संस्कृति में नारीको देवी के समान माना गया है, फिर ऐसा क्या हो गया कि अबनारियोंको सिर्फ एक वस्तु की ष्टि से देखा जाने लगा ? जब इसके बारे मेंगहनपड़ताल की तो कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आये और पता चला कि जाने-अनजाने नारी स्वयं ही अपने शोषण के लिए जिम्मेदार है. जी हाँ! यह बिलकुल सत्य है किनारी ने स्वंय ही अपने सम्मान को अर्श से फर्श पर पहुचाने का कार्य किया है. एक समय था कि जब घरकेबाहरी कार्य पुरुष किया करते थे और घर के प्रबंधन के लिये जो भी आवश्यक वस्तुएं चाहिए,उनकी व्यवस्था उन्ही की जिम्मेदारी होती थी.वहीं दूसरी ओर घर केआन्तरिक प्रबंधन की जिम्मेदारी नारियांबडी प्रशन्नता और गर्व के साथ किया करती थी . वाह्य के मुकाबले आंतरिक प्रबंधन एक बेहद कठिन कार्य है. इसको ऐसे समझे कि शरीर में कोई बाहरी चोट लगी हो तो उसे आसानी से ठीक किया जा सकता है क्योंकि चोट दिख रही है और उस पर आसानी से दवा लगाईजा सकती है परन्तु चोट यदि अंदरूनी है तो उसे ठीक करना बेहद कठिन होगा औरऐसी स्थिति में किसी विशेषज्ञ की मदद लेनी पड़ेगी.ठीक इसी प्रकार घर का आन्तरिक प्रबंधनहैजोकि बेहद कठिन होता है ,जिसके लिए विशेष योग्यता चाहिए.यह विशेष योग्यता प्रकृति नेनारियोंको प्रदान की है पुरुषों को नहीं इसलिए पहले समाज नारी प्रधान हुआ करता था .पहले बालक की पहचान माँ के नाम से होती थी,जैसे देवकीनंदन कृष्ण,यशोदा का लालकृष्ण,कुंती पुत्र अर्जुन इत्यादि इसके उदहारण है.आज भी बच्चा जब ननिहाल जाता है तो उसकी पहचान माँ के नाम से ही होती है. इसी प्रकार गौरी-शंकर, सीता-राम, राधा-श्याम इत्यादि में भी सभी भगवानो के नाम से पहले नारी को ही प्रधानता दी गयी है।

संतान उत्पन्न करना और उसका पालन-पोषण करना ठीक वैसे ही है जैसे कि प्रकृति हमे पैदा करती है और हमारा पालन-पोषण करती है. यही कारण है कि नारी और सृष्टी दोनों को एक समान माना गया है. घर के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी नारीके हाथों में है और स्वास्थ्य को ठीक रखने में स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन की बहुत बड़ी भूमिका होती है. नारी को जन्म से ही स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन बनाने का हुनर प्राप्त है. अलग-२ वस्तुओ सेनाना प्रकार के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बनाने में उन्हें महारथ हासिल है. पहले नारियाँ प्रेम पूर्वक और गर्व के साथ भोजन बनाया करती थी, जिस कारण परिवार स्वस्थ व निरोगी रहा करते थे. कौन से मौसम में क्या बनेगा, कौन सी वस्तुओं के संयोजन से बनेगा, किस अनुपात में बनेगा, कैसे बनेगा इत्यादि सूक्ष्म से सूक्ष्म बातों का ध्यान रखकर नारियां भोजन बनाया करती थी. यह पाक कला एक वैज्ञानिक कार्य हुआ करता था इसलिए सभी नारियांपाक कला की वैज्ञानिक थी.इतनी सशक्त और वैज्ञानिक नारियोंने फिर क्यों अपने आपको इतना कमजोर बना लिया कि उनका शोषण होने लगा ? इसके पीछे एक बहुत बड़ी साजिश थी जोकि भारतीय नारीके शोषण के लिए अंग्रेजो ने रची थी ,जिसमे वो फंस गयी.

अंग्रेजो के भारत पर कब्जा करने के बाद उन्होंने देखा की यह देश पारिवारिक तौर पर बहुत समृद्ध और संपन्न है. यहाँ उच्च संस्कार और चारित्रिक मूल्यों वाले लोग रहते है और उनका ऐसा होने में भारतीय नारियों की महती भूमिका है.भारतीय नारी एक खूंटे की तरह है जिससे पूरा परिवार बंधा रहता है. इससे अंग्रेजों को एक बात समझ में आई कि यदि भारत पर हमेशा के लिए राज्य करना है तो यहाँ के पारिवारिक मूल्यों को समाप्त करना होगा और इसके लिए यह बेहद जरुरी है कि परिवार को बाँधने वाले खूंटे को उखाड़ा जाए यानि नारीका चारित्रि का पतन किया जाए. अंग्रेजो ने इस कार्य के लिए भारत के कुछ ऐसे लोगों को चुना जो दिखने में तो भारतीय थे परन्तु उनकी सोच बिलकुल अंग्रेजों जैसी थी. अंग्रेजो ने इन्हें अपना धन, अपनी स्त्रियाँ और अपनी संस्कृति देकर मानसिक रूप से अपना गुलाम बना लिया था . सन १९४७ में भारत को आजाद करने के नाम पर अंग्रेजो ने सिर्फ सत्ता का हस्तांतरण (पूर्णस्वतंत्रता नहीं) इन अंग्रेजियत के मानसिक गुलामों के हाथ में कर दिया यानिसत्ता गोरे अंग्रेजों के हाथ से निकलकर काले अंग्रेजो के हाथ में आ गयी. इन प्रायोजित सत्ताधीशों ने देश केपैसे और संसाधनों का जमकर दोहन किया. सत्ता के बल पर इन्होने खूब अय्यासी की और सत्ता का हस्तांतरण भी अपनी ही पीढ़ियों को करते रहे. इन अंग्रेजियत के मानसिक गुलाम सत्ताधारियों ने आधुनिकता और आत्मनिर्भरता के नाम पर देश की नारीको शोषण के रास्ते पर धकेल दिया. इन्ही काले अंग्रेजों ने भारतीय नारी के दिमाग में यह बात भर दी कि पुरुषों द्वारा घर का चूल्हा-चौका जैसे निम्न श्रेणी के कार्य करवाकर उसका शोषण किया जा रहा है. बच्चे पालना,घरेलु कार्य करने से उनकी स्वतंत्रता का हनन होता है. अत: उसे घर की दहलीज लांघ कर बाहर आना चाहिए और आधुनिक, आत्मनिर्भर और स्वतंत्र जीवन जीना चाहिए. भारतीय नारी उनके इस षडयंत्र में फँस गई.भारतीय नारी जोकिअब तक घर के भीतर संरक्षित और सुरक्षित थी,उसने आधुनिकता, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के नाम पर घर से बाहर जाना शुरू कर दिया.पुरुषों की भांति नौकरी करना शुरु कर दिया. घरेलुकार्य और परिवार उनके लिए अब गौण जबकि दफ्तर महत्वपूर्ण हो गया. देर रात तक काम करना,पाश्चात्य कपडे पहनना, शराब पीना, नशा करना और गैर मर्दों के साथ सम्बन्ध बनाना अब उसके लिए आम बात हो गई. आज स्थिति यह है कि अंग्रेजी मानसिकता के पुरुष वर्गके लिए नारी एक वस्तु की तरह हो गई है. अब वह नारी का संरक्षण नहीं बल्कि शोषण करने में आनंद की अनुभूति करता है.दिनों दिन बलात्कार और नारी उत्पीडन के मामले बढ़ते हीजा रहे है. नारी का शोषण अब आम बात हो गई है. नारियों के बचाव का कोई रास्ता नहीं दिख रहा है. देश की न्याय-व्यवस्था भी अंग्रेजो द्वारा ही बनायी गई है और उसमे नारी के शोषण की पूरी व्यवस्था की गई है क्योंकि अंग्रेजों का मुख्य ध्येय तो भारतीय नारी का शोषण करना ही था. दिल्ली में हुआ "निर्भया कांड" इसका जीता जागता उदाहरण है,जहाँ कई साल बीतने के बाद भी निर्भया के हत्यारों को आज तक कोई सजा नहीं मिली है.

अब समय आ गया है जब भारतीय नारी को जागृत हो जाना चाहिए और अपनी दैवीय शक्ति को पुन: पहचान कर अपने शोषण को रोकने के लिए उठ खड़ा हो जाना चाहिए क्योंकि खुद के मरे बिना स्वर्ग नहीं मिलता. आधुनिकता, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्रता के मकडजाल से बाहर आकर, अपना शोषण रोकने के लिए फिर से अपनी सभ्यता, अपनी संस्कृति और अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों की ओर लौट आना चाहिए क्योंकि तभी"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते" की परिकल्पना पूर्ण हो पायेगी.

बेमिसाल

भारतीय संस्कृति की ध्वजवाहक नन्ही नृत्य यांगना शिवी कौडिन्य

दीपिका (नोएडा व्यूज)

जहाँ एक तरफ आजकल के बच्चे भारतीय संस्कृति और सभ्यता से दूर होते जा रहे है, वहीं नॉएडा सेक्टर 82 में रहने वाली नन्ही शिवी अपनी कला और संस्कृति को विश्व में प्रचरित करने के लिए लगातार मेहनत कर रही है. 11 साल की शिवी भरत नाट्यम नृत्यकी एक उभरती हुई नृत्यांगना है और एक के बाद एक पुरस्कार जीत कर भारतीय नृत्य की परंपरा को आगे बढा रही है. शिवी ग्रेटर नॉएडा के रामईश स्कूल में कक्षा सात की विद्यार्थी है. वह नृत्य गुरुकुल डांस अकादमी से अक्षितापाई के द्वारा भरत नाट्यमका विधिवत प्रशिक्षण भी ले रही है.

शिवी की माँ जया जानकी शर्मा कहती है की शिवी को छोटी उम्र से डांस का बहुत शौक था, जिसके चलते हमने उसका दाखिला नृत्य गुरुकुल अकादमी में करा दिया. शिवी ने इस्कॉन टेम्पल के द्वारा आयोजित भागवत गीता डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और वर्ष 2011 में रेसिपा द्वारा प्रायोजित ब्रावुरा यंग डांस प्रतियोगिता में भी अव्वल रही. शिवी के पिता सतीश शर्मा जोकि पेशे से एक वकील है और पर्यावरण संरक्षण के लिए भी कार्यरत है, कहते है कि भारत की महान संस्कृति और सभ्यता को अपने बच्चों को बताना और उन्हें उसके अनुसार ढालना हमारी जिम्मेदारी है.हमे यह एहसास होना चाहिए कि हम महानलोगों के वंशज है. शिवी उत्साहित होकर कहती है कि मेरे दादाजी मास्टर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा जोकि एक अध्यापक रहे है ने सदैव मुझे प्रेरित किया कि मैं भारत का नाम पुरे विश्व में रोशन करू.वो सदैव मेरा उत्साहवर्धन करते है और कहते है कि बेटा हमारे देश का मान तभी बढेगा जब नव युवा पीढ़ी अपने भारतीय मूल्यों को अपनाएगी .मेरा लगातार यही प्रयास है कि मै उनकी आकांक्षाओ पर खरी उतरू और भारत की प्रतिष्ठा को पुन: सारे विश्व में प्रति स्थापित करवा सकूँ.

!! लोकतंत्र !!

लोकतंत्र का शाब्दिक अर्थ है " लोगों का शासन " संस्कृत में लोक का अर्थ है " जनता " तथा तंत्र का अर्थ है " शासन " या प्रजातन्त्र।

वैसे तो प्रजा के द्वारा, प्रजा के लिए और प्रजा के शासन को ही लोकतंत्र या प्रजातन्त्र कहा जाता है। लेकिन हमारे माननिय नेता इस परिभाषा को बिल्कुल भूलकर मनमानी करने लगे हैं। वर्तमान की राजनीति में तो अपराधी, भृस्टाचारी, गुंडे भी लोकतंत्र की गंगा में अपने पैर धो रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय की रोक के बावजूद खुले आम जातिवाद और धर्म की राजनीति हो रही है। आज वोट की राजनीति के चलते संस्कार, मूल्य, आदर्श और नैतिकता सभी भुला दिए गए हैं।

मीडिया अक्सर अपनी खबरों में जिस राजनीतिक दल की सरकार होती है उसे रूलिंग पार्टी कहता है, और जो दल सरकार में नही होता उसे ऑपजिशन कह के सम्बोधित करता है, या कभी-कभी उन्हें पक्ष-विपक्ष के नाम से भी पुकारता है और हमें लगातार सुनने को मिलता है की फलाँ दल सत्ता में है और फलाँ दल सत्ता में नही है।

जबकि देखा जाए तो सारे राजनीतिक दल, देश के, समाज के, विकास के पक्ष में होते हैं, तो फिर विपक्ष में होने का अर्थ क्या हुआ ?

तो क्या किसी भी राजनैतिक दल को जो बहुमत वाले दल के पक्ष में ना हो, उसे देश के विपक्ष में होना माना जाएगा ?

यदि ऐसा होता तो जनता बारी-बारी से हर पक्ष को राष्ट्र के निर्णय, नीति, और नियति के निर्माण का अधिकार नही देती। बहुमत में नही होने का अर्थ सत्ता में ना होना नही होता। क्योंकि लोकतंत्र में देश के कल्याण के लिए दल होते हैं, दलों के कल्याण के लिए देश नही होता।

इसलिए ये सारे विशेषण लोकतांत्रिक व्यवस्था में उपयुक्त नही है, क्योंकि लोकतंत्र में हम Ruled by so and so नही हैं, हम Governed by so and so party होते हैं।

Ruled by वाली भाषा तब उचित थी जब हमारे यहाँ राजे महाराजे हुआ करते थे, या तब- जब हम गुलाम थे जब भारत ब्रिटेन का उपनिवेशदेश हुआ करता था। किंतु अब हम स्वतंत्र हैं तो हमको, हमारी मीडिया को भी शब्दों के अर्थ उनका महत्व समझते हुए अपनी भाषा में सुधार करना जरूरी है, क्योंकि जब तक हमारी भाषा नही बदलेगी तब तक हमारे भाव भी स्वतंत्रता की आभा से नही दमकेंगे, और हम स्वतंत्र होते हुए भी परतंत्र के जैसा आचरण करते रहेंगे, हम लोकतंत्र में रहते हुए भी राजतंत्र के प्रभाव से भरे रहेंगे। यही कारण है जो स्वतंत्रता के इतने वर्षो बाद भी हम रक्षण नही आरक्षण पर विचार करते हैं। जबकि स्वतंत्रता का अर्थ निर्भर नही, आत्मनिर्भर होना है।

स्मरण रखने योग्य ये है कि लोकतंत्र में शासन नही प्रशासन का महत्व होता है, इसमें व्यक्ति नही, व्यवस्था सर्वोपरी होती है, इसलिए रूलिंग पार्टी और ऑपजिशन पार्टी कहना उचित नही होगा।

लोकतंत्र में गवर्निंग पार्टी अर्थात संचालक मंडल और कंट्रोलिंग पार्टी यानि नियंत्रक मंडल कहना अधिक उपयुक्त होता है।

जिस दल के पास बहुमत है उसका कर्तव्य व्यवस्था को संचालित (गवर्नर) करना होता है, और जिन दलों के पास बहुमत नही है उनका दायित्व होता है की वे संचालक मंडल को नियंत्रित (कंट्रोल) करने का कार्य करें जिससे वे जनता जनार्दन द्वारा दिए गए अधिकारों का सदुपयोग कर राष्ट्र की प्रगति में सहायक हों।

लोकतंत्र में गवर्निंग पार्टी और कंट्रोलिंग पार्टी को अलग-अलग विचारधाराओं के पोषक होने के बाद भी एक दूसरे का बाधक नही साधक होना अनिवार्य होता है क्योंकि सबका हेतु एक ही होता है और वो है- जनकल्याण, राष्ट्रकल्याण, विकास और प्रगति।

मास्टर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
के पी 5 ग्रेटर नोएडा

माँ तुम धरती की भगवान हो

तुम हर पल रचती हो मुझे,
भ्रुण से लेकर आज तक सँभालती रही हो तुम,
तुम्हारा चित, तुम्हारी चिंता, तुम्हारा चिन्तन, तुम्हारी चाहत,
तुम्हारा चूल्हा चौकी,
मैं हूँ तुम्हारी पूजा,
मनौती और व्रत भी मैं हूँ,
मैं जब एक कदम बढ़ता हूँ, तुम दस कदम बढ़ती हो,
मेरी एक सफलता पर, घर के देवी-देवता से लेकर
ब्रम्हांड तक पूजती हो
मेरी असफलता पर हिमालय सा सहस देती हो
तुम्हारे लिए हर दिन बल दिवस है ।
मेरी अपूर्णता तुम्हे बचपना लगती है
तुम हमेशा क्षमा करती हो बार बार क्यूँ
क्या तुम धरती की भगवन हो।

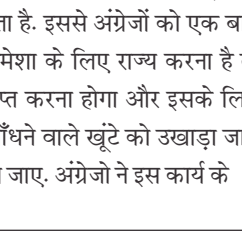

शैलेन्द्र कुमार
भाटिया

परफेक्ट पति हैं निक, प्रियंका के खाने से लेकर ड्रेस तक रखा ख्याल

कान्स में प्रियंका चोपड़ा के ग्लैमरस लुक की चर्चा बनी हुई है. लेकिन कान्स में प्रियंका के लुक को परफेक्ट बनाने में निक जोनस का बड़ा हाथ है. निक जोनस की सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें वायरल हो रही हैं, जनिमें वो प्रियंका का खास ख्याल रखते नजर आ रहे हैं. सोशल मीडिया पर सामने आई इन तस्वीरों में निक जोनस, प्रियंका को अपने हाथों से पज्जिा खलिाते नजर आ रहे हैं. प्रियंका चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है, जसिमें वो प्रियंका की ड्रेस ठीक कर रहे हैं. प्रियंका चोपड़ा की रेड कारपेट पर एंट्री के वक्त बारशि होने लगी थी. उस वक्त भी निक जोनस ने छाता लेकर प्रियंका को बारशि से प्रोटेक्ट किया. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहीं इन तस्वीरों में निक जोनस परफेक्ट पति के रोल में नजर आ रहे हैं. वो प्रियंका को खाना खिलाने से लेकर उनकी ड्रेस का पूरा ख्याल रखते हैं. प्रियंका चोपड़ा-निक जोनस का रोमांटकि अंदाज भी कान्स में नजर आया. प्रियंका ने रॉयल ब्राइडल लुक में बेहद खूबसूरत नजर आई.

ग्रेटर नोएडा- नोएडा एक्वा लाइन मेट्रो से हुए जबरदस्त घाटे को छुपा रहा है नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन।

देश की तमाम छोटी बड़ी परियोजनाएं आम जनता के पैसे ही से ही फलीभूत साकार होती है.. पिछले दो दशक में देश में राज्य सरकारों द्वारा महानगरों में मेट्रो रेल सेवा का जाल बिछाया गया तमाम सफल परियोजनाएं लांच की गई..।

घटना 2 महीने पहली है जब मेरा ध्यान ग्रेटर नोएडा से नोएडा की तरफ नितांत खाली (बहुत कम यात्री जिसमें सवार थे) जाती हुई एक्वा लाइन मेट्रो ट्रेन की ओर गया.. मस्तिष्क में कुछ प्रश्न घूमने लगे .. क्योंकि लोकतंत्र में हर सरकारी सेवा जनता को समर्पित होती है जनता के पैसों से निर्मित होती है.. ऐसी परिस्थिति में आम नागरिक को पूछताछ का पूरा अधिकार है सूचना के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए मैंने नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन दो बिंदुओं पर सूचना मांगी.. ग्रेटर नोएडा नोएडा मेट्रो से Ndmrc की आय शुद्ध लाभ तथा 25 जनवरी2019 से 10 मार्च 2019 तक बेचे गए टिकटों की संख्या के संबंध में थे।

आपको आश्चर्य होगा नोएडा मेट्रो रेल प्रबंधन की ओर से बड़ा ही चौंकाने वाला जवाब आया.. एनडीएमआरसी के अतिरिक्त महानिदेशक रजनीश पांडे के अनुसार हमारे पास लाभ हानि, सेल किए गए टिकटों की संख्या का कोई मूर्त लेखा-जोखा नहीं है।

अब आप सोच सकते हैं एक ऑटो चालक भी अपना दैनिक हिसाब किताब रखता है मतलब कितना ईंधन खर्च हुआ कितने चक्कर उसने लगाए कितनी आमदनी उसे हुई.. ऐसा नहीं है कि नोएडा मेट्रो रेल कारपोरेशन के पास कोई हिसाब-किताब नहीं है लेकिन आम जनता को वह नहीं बताया जा रहा है. घाटे को सार्वजनिक नहीं किया जा रहा है दरअसल कॉरपोरेशन ग्रेटर नोएडा नोएडा मेट्रो परियोजना से हुए जबरदस्त घाटे को छुपा रहा है।

कुछ भी हो नुकसान देश के आम आदमी का ही होगा हर ग्रेटर नोएडा वासी का होगा.. घाटे की इस परियोजना के लिए कौन जिम्मेदार है? इस नुकसानदायक प्रशासनिक निर्णय के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कब कार्रवाई होगी हांगकांग सिंगापुर में कानून है लेकिन भारत में कोई कानून नहीं है। इसके डीपीआर की समीक्षा क्यों नहीं की गई बिल्डरों से मोटे पैसे लेकर एक ऐसे रूट से मेट्रो निकाल दी गई जहां यात्री देखे से भी नहीं दिखाई देते।

नुकसान का यदि सीएजी ऑडिट करें तो हजारों करोड़ का नुकसान इस परियोजना से हुआ है हम ने मांग की है ग्रेटर नोएडा नोएडा मेट्रो परियोजना की लोकायुक्त जांच हो बहुत बड़ा घोटाला इसमें निकलेगा।

आर्य सागर खारी

नोएडा व्यूज़
समाचार पत्र
में अपने विचार देने के लिए
सम्पर्क करें।
Contact us : 9810402764
noidaviews2014@gmail.com

Vastraa
BY SATYARTH

Satyarth Fashion Point
Shop-1, C-Block Market, (Infront of Mother Dairy) Alpha-1, Greater Noida
Phone : 0120-4335096,

SATYARTH
Bachat Bazaar

Satyarth Bachat Bazaar is available in New Ashok Nagar Delhi also

Wide Range of Payment Mode :

Free Delivery
of Home Essentials
at Door Step
(Min.Order 2000/-) T&C Apply

0120-4121717
70 65 51 75 57

AS1/23, C-Block Market,
Alpha-1, Greater Noida
Gautambudh Nagar, UP

Jai Shri Bhoomi Developers Group
JSB GROUP
Chandrodaya City

सबसे तेजी से बढ़ते आवासीय योजना (व्यापार)
ब्रज भूमि - मथुरा वृन्दावन में अपने मुल्यवान पैसे
का निवेश कर अधिकतम मुनाफा पायें।

INVESTMENT FOR PLOT
₹52500/-

*Plot Price Bsp : 3499/- per Sq. Yard

ASSURED RETURN

GET INTEREST ₹10250/-
PER MONTH
Limited period offer for 12 months. T&C* Apply

Book your Taxi
Anytime Any Where
from TAXI JSB

DOWNLOAD NOW
TAXI JSB APP
Google play App Store

Call: 9540030303 | www.jsbindia.co.in

Special Offer At
YMCA SWIMMING POOL

Subject to Clearing the Pool Test with Swimming Cap and Proper Costume Compulsory

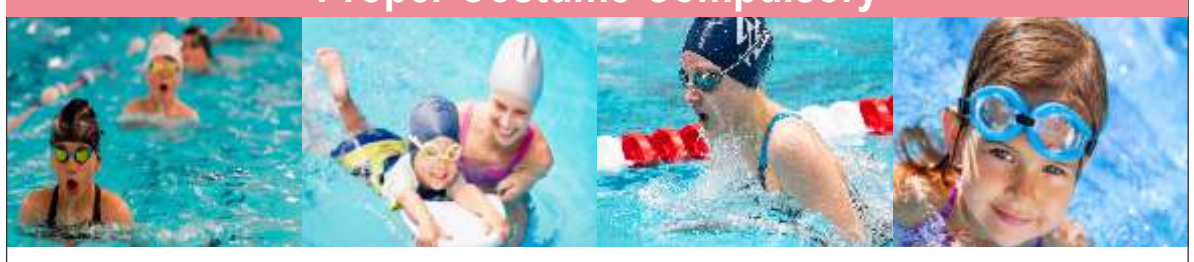

Morning Timing :
6:00AM to 7:00Am | 7:00AM to 8:00AM | 8:00AM to 9:00AM |
9:00AM to 10:00AM

Evening Timing :
4:00PM to 5:00PM | 5:00PM to 6:00PM | 6:00PM to 7:00PM
7:00PM to 8:00PM | 8:00PM to 9:00PM

Contact: 9911431653 | 8750463046

YMCA, R-2 RECREATION AREA, OPP. JAYPEE GOLF COURSE,
NEAR CITY PARK, GREATER NOIDA